राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य सहायक विषय/इलेक्टिव ओपेन सब्जेक्ट)
सुगम संगीत प्रायोगिक
2021–2022
नियमित

समय :– 3 घण्टे पूर्णांक :– 80

मौखिक

1. (अ) भारत में प्रचलित दो संगीत पद्धतियों (हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक) का अध्ययन। उनकी समानताएँ और असमानताएँ।
   (ब) निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययन – संगीत, नाद, श्रुति, स्वर, वर्ण।
2. (अ) गीत तथा भजन गीत विधाओं का सामान्य परिचय।
   (ब) पाठ्यक्रम के गीत, भजन तथा गजल का भावार्थ लिखने का अभ्यास।
   (स) निम्नलिखित तालों को भातखंडे तालिपि में लिखने का अभ्यास–
   त्रिताल, दादरा और कहरवा (केवल ठाह)
3. निम्नलिखित संगीत वाद्यों का सचित्र वर्णन– हारमोनियम, तबला और ढोलक।
4. निम्नलिखित के जीवन परिचय का अध्ययन–मिर्जा गालिब, महादेवी वर्मा और मीरा बाई।
5. लगभग 200 शब्दों में सुगम संगीत संबंधी विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन।

प्रायोगिक–

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, गजल और भजन में से प्रत्येक विद्या की दो–दो रचनाओं (कुल छः) का अभ्यास।
2. थाट बिलावल और कल्याण में अलंकारो का अभ्यास।
3. भारत के किसी एक क्षेत्र के एक लोकगीत का अभ्यास।
4. राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत (आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित राग देस पर आधारित) के गायन का अभ्यास।
5. हाथ से ताली–खाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह में अभ्यास – त्रिताल, दादरा और कहरवा।